हजारों लोगों ने रतजगा कर निहारा झिलमिलाती झांकियों के कारवां को

- शान से निकला अनंत चतुर्दशी समारोह
- परिवार और दोस्तों संग पहुंचे शहरवासी

इंदौर. शहर की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक अनंत चतुर्दशी चल समारोह हर्षोल्लास के साथ निकला. झिलमिलाती झांकियों के कारवां ने झांकी मार्ग की सड़कों को रोशन कर दिया. शहर की परंपरा को निभाने के लिए शहरवासी भी हजारों की संख्या में उमड़े और मिल मजदूरों का उत्साहवर्धन किया. झांकियों में जहां पौराणिक कथाएं, सेना का शौर्य, बच्चों का मनोरंजन दिखा वहीं स्वास्थ्य के प्रति संदेश भी था. कलाकारों के अखाड़ों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए. वहीं मधुर भजन भी विभिन्न बैण्डों से गूंजते रहे. झांकियों को निहारते शहरवासी अलसुबह से डटे रहे.

शहर की परंपरा भले ही सौ वर्ष पुरानी हो गई है लेकिन शहरवासियों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है. झांकियों को निहारने के लिए लोग शाम 6 बजे से जुटने लगे थे. चूंकि झांकी मार्ग पर ज्यादा ओटले तो नहीं बचे हैं लेकिन जिसे जहां जगह मिली अपनी जगह रोक कर बैठने की व्यवस्था कर रहा था. शाम छह बजे कलेक्टर आशीष सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह और नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा खजराना गणेशजी का पूजन-अर्चन करने के बाद झांकियों का कारवां की शुरूआत की. सबसे आगे भगवान खजराना गणेश समिति की झांकियां निकलीं. इसके बाद आईडीए, नगर निगम की झांकियां थी. मिलों की झांकियां मुख्य मार्ग पर पहुंची ही नहीं थी. शुरुआत में चिमनबाग से जेल रोड तक भीड़ नहीं थी और कुछ लोग ही झांकियां देखने पहुंचे थे. लेकिन जैसे-जैसे अंधेरा गहराता गया और समत बीतता गया भीड़ भी बढ़ने लगी. बड़ी संख्या में महिलाएं परिवार और बच्चों को सहित झांकियां दिखाने पहुंची. बच्चे उत्साहित होकर झांकियों को निहार रहे थे. जैसे-जैसे समय बीतता गया युवाओं की संख्या बढ़ती गई. रात 11 बजे तक तो यह स्थिति की झांकी मार्ग पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी. शहरवासियों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आ रही थी. झांकियों का कारवां अलसुबह तक निकलता रहा जिसे शहरवासियों ने रतजगा कर निहारा.

निर्णायक मंच कृष्णपुरा छत्री पर लगा

प्रशासन का निर्णायक मंच कृष्णपुरा छत्री के समीप लगाया गया. यहां प्रशासन द्वारा गठित निर्णायक समिति की सदस्य बैठे थे. वे झांकियों की बनावट, विषय, विद्युत सज्जा के आधार पर झांकियों को नंबर देंगे. जो सबसे ज्यादा नंबर लाएगा. उसे प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा. अखाड़ों को भी उनकी शस्त्र कला, अनुशासन के आधार पर पुरस्कार दिया जाएगा. अखाड़ों के उस्तादों से कहा गया है कि वे झांकी निकलने तक निर्धारित स्थलों पर रहें.

मोबाइल में कैद किए यादगार पल

जैसे-जैसे अंधरे गहराया झांकी मार्ग रोशनी से रोशन हो गया. झांकियां आकर्षक नजर आ रही थी. इन खूबसूरत पलों को लोगों ने अपने कैमरे में कैद किया. वहीं जो वहां मौजूद नहीं थे उन्हें मोबाइल से वीडियो काल कर लाइव प्रसारण दिखाया.

मंत्री विजयवर्गीय ने गाए गीत

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत कई नेता झांकियों में पहुंचे. विजयवर्गीय ने हर बार की तरह इस बार भी गीत गाए और जनता को झूमने पर मजबूर कर दिया. उन्होंने ये देश है वीर जवानों का और कई अन्य गीत गाए.

दो हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात

छह किलोमीटर लंबे झांकी मार्ग पर दो हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात किए गए, जबकि पांच सौ से ज्यादा नगर सुरक्षा समिति सदस्य भी मदद कर रहे थे. 20 से ज्यादा वाच टावरों से पुलिस के विशेष दल झांकी मार्ग पर निगरानी की. इन वाच टावरों पर चिकित्सकों को भी तैनात किया गया. सीसीटीवी कैमरे भी झांकी मार्ग पर लगाए गए.

आज भले ही दौर आधुनिक हो गया हो लेकिन पुंगी, फुग्गे सहित अन्य खिलौने के प्रति आकर्षण अब भी बरकरार है. इसी के चलते शाम से ही झांकी मार्ग पर खिलौने की दुकानें सज गई थी. यहां बच्चों के आकर्षक खिलौने थे. वहीं, खाने-पीने की स्टॉल भी सड़क किनारे सजे नजर आए.

32 अखाड़े और 16 झांकियां

इस बार 6 मिलों की 16 झांकियों के साथ ही 4 संस्थाओं की 12 अन्य झांकियां भी इसमें शामिल हुई. हर बार की तरह इस बार भी पूरे चल समारोह में 32 अखाड़ों के समूह शामिल हुई. इस बार खजराना गणेश मंदिर, इंदौर विकास प्राधिकरण, होप टेक्सटाईल (भण्डारी) मिल, नगर निगम, कल्याण मिल, स्पूतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी और मालवा मिल, स्वदेशी मिल, राजकुमार मिल तथा हुकमचंद मिल, जय हरसिद्धी माँ सेवा समिति सहित अन्य संस्थाओं की झांकियां निकली.

एक नजर में

सिद्ध विजय गणेश मंदिर पर महोत्सव का समापन

इंदौर. मरीमाता चौराहा स्थित श्री सिद्ध विजय गणेश मंदिर पर चल रहे 10 दिवसीय गणेश महोत्सव का सिद्ध विजय गणेश को 21 हजार लड्डुओं के भोग एवं महाआरती के साथ सौल्लास समापन हो गया. इसके पूर्व 11 विद्वानों ने सुबह अभिषेक एवं पूजा अर्चना कर गणेशजी को छप्पन भोग समर्पित किए गए। रोज की तरह गणेशजी का मनोहारी श्रृंगार कर उन्हें अगले वर्ष पुन: जल्दी आने का न्यौता भी दिया गया. गणेशोत्सव के अंतिम दिन आज रात मरीमाता चौराहा पर आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा के बीच हजारों भक्तों ने महू वाले शर्मा बंधुओं की भजन संध्या का आनंद लिया. विधायक एवं संयोजक गोलू शुक्ला ने बताया कि शनिवार को मंदिर पर 25 हजार से अधिक भक्तों का मेला जुटा रहा. मंदिर के पुजारी पंडित प्रेम नारायण शास्त्री, पंडित महेंद्र शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा, पंडित चिराग तिवारी आदि ने सिद्ध विजय गणेश का भावपूर्ण श्रृंगार किया. गणेश जी के श्रृंगार दर्शन के लिए मंदिर पर पूरी रात भक्तों का मेला जुटा रहा. महाआरती में विधायक रमेश मेंदोला, पूर्व पार्षद राजेंद्र शुक्ला, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, श्रवण शुक्ला, बब्बी शुक्ला, अंजनेश शुक्ला, यश शुक्ला, कमल शुक्ला, दीपेंद सिंह सोलंकी सहित हजारों भक्तों ने गणेश जी को भावपूर्ण विदाई दी. इसके साथ ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव का समापन सम्पन्न हुआ.

पितृऋण चुकाने पितृपक्ष में 'श्राद्ध' करना आवश्यक

इंदौर. हिंदु धर्म में उल्लेखित ईश्वरप्राप्ति के मूलभूत सिद्धांतों में से एक सिद्धांत 'देवऋण, ऋषिऋण, पितृऋण एवं समाजऋण, इन चार ऋणों को चुकाना है. इनमें से पितृऋण चुकाने के लिए पितृपक्ष में 'श्राद्ध' करना आवश्यक है. माता-पिता तथा अन्य निकटवर्ती संबंधियों की मृत्योपरांत, उनकी आगे की यात्रा सुखमय एवं क्लेशरहित हो तथा उन्हें सद्गति प्राप्त हो, इस उद्देश्यसे किया जानेवाला संस्कार है 'श्राद्ध'. पितृपक्ष में श्राद्धविधि करने से अतृप्त पितरों के कष्टसे मुक्ति होनेसे हमारा जीवन भी सुखमय होता है. श्राद्ध की विभिन्न विधियों का अध्यात्मशास्त्र हम इस लेख के माध्यम से जानेंगे. इससे श्राद्ध जैसे धार्मिक कर्म का महत्व और श्रेष्ठता समझ में आएगा. सनातन संस्था मध्यप्रदेश की संध्या आगरकर ने बताया कि श्राद्धविधि से ब्राह्मणों के माध्यम से देवता और पितर संतुष्ट होकर यजमान को आशीर्वाद देते हैं. पितृदोष का प्रभाव घटता है तथा परिवार को भी लाभ होता है. तथा पितरों को आगे की गति मिलती है. श्राद्ध में दो प्रकार के ब्राह्मण होते हैं- देव-ब्राह्मण और पितृ-ब्राह्मण। देव-ब्राह्मण को सात्त्विक ऊर्जा प्राप्त होती है और उनके माध्यम से देवता भी अन्न ग्रहण करते हैं. पितृ-ब्राह्मण को दिया गया दान शीघ्र फलित होता है

खजराना गणेश को सवा 3 लाख लड्डुओं के भोग का बना कीर्तिमान

- प्रतिदिन अलग किस्म के अनाज, सूखे मेवे का भोग लगा

इंदौर. खजराना गणेश मंदिर पर चल रहे गणेशोत्सव में इस बार खजराना गणेश को सवा तीन लाख लड्डुओं का भोग समर्पित करने का नया कीर्तिमान आज दोपहर बन ही गया.

भक्तमंडल के अरविंद बागड़ी ने बताया कि गणेशोत्सव के पहले दिन खजराना गणेश को सवा लाख मोदक प्रसाद का भोग पहले दिन लगाया गया था इसके बाद प्रतिदिन अलग अलग किस्म के अनाज, फलाहार, सूखे मेवे, गोंद, अजवाइन, उड़द, मूंग, तिल्ली, मूंगफली सहित 10 तरह के 21-21 हजार लड्डुओं का भोग भक्त मंडल से जुड़े समाजसेवी बंधुओं ने प्रतिदिन संध्या को मंदिर के पुजारी पंडित अशोक भट्ट एवं पंडित सुमित भट्ट द्वारा वैदिक मंगलाचरण के बीच समर्पित किए गए. इस तरह इस बार खजराना गणेश को 10 दिनों में सवा 3 लाख लड्डुओं का भोग समर्पित किया गया. यह देश में संभवत: पहला ऐसा मंदिर बन गया है जहां एक ही भक्त मंडल से जुड़े भक्तों द्वारा मंदिर के ही प्रसादालय में निर्मित किए गए इतने लड्डुओं का भोग खजराना गणेश को लगाया गया. प्रख्यात संत बसंत विजय महाराज के सानिध्य में अशोक एरन, राजेश गर्ग केटी एवं अन्य भक्तों ने भक्त मंडल की ओर से मंदिर में आए भक्तों को लडडू प्रसाद का वितरण कर अरविंद बागड़ी को साफा बांध कर इस नए कीर्तिमान के लिए आशीर्वाद प्रदान किए. आज दोपहर समाज सेवी अशोक किशनलाल एरन एवं राजेश गर्ग केटी परिवार की ओर से जैसे ही उड़द के 21-21 हजार लड्डुओं का भोग लगाया गया, समूचा मंदिर परिसर खजराना गणेश के जयघोष से गूंज उठा. भक्तों में प्रसाद वितरण के अवसर पर मंदिर के महाप्रबंधक डॉ. राकेश शर्मा, भक्त मंडल के कैलाश पंच, दिलीप सर, सुभाष नायक, मोहन पंच, प्रबंधक घनश्याम शुक्ला, गौरीशंकर मिश्रा, पं.धर्मेंद्र भट्ट एवं पं.सुमित भट्ट भी मौजूद थे।

अब कथा को भी अपने अंदर बिठाएं : पं. लोकेशानंद

सनाढ्य ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित भागवत ज्ञान यज्ञ का समापन

इंदौर. भागवत कथा ऐसा अमृत है जो मनुष्य को जीवन भर सद्गुणों से अलंकृत बनाए रखता है. यह कथा एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देने के लिए नहीं, बल्कि अंतर्मन में उतारने के लिए है. भागवत में तो हम पूरे 7 दिन बैठ लिए, अब भागवत को हमारे अंदर बिठाने की जरूरत है.

ये विचार हैं भागवताचार्य पं. लोकेशानंद शास्त्री के जो उन्होंने सनाढ्य ब्राह्मण समाज द्वारा जूनी इंदौर चंद्रभागा स्थित राधा कृष्ण मंदिर पर गत 31 अगस्त से राधा अष्टमी के उपलक्ष में भादौ मास में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में सुदामा मिलन प्रसंग एवं समापन अवसर पर व्यक्त किए. कथा में सुदामा कृष्ण मिलन के भावपूर्ण प्रसंग का जीवंत उत्सव भी मनाया गया. भागवत जी की शोभायात्रा एवं यज्ञ हवन के साथ पूर्णाहुति संपन्न हुई. प्रारंभ में व्यासपीठ का पूजन भगवती शर्मा, अनिल शर्मा, डॉ अजय वशिष्, नरेन्द्र तिवारी, पप्पू शर्मा, दीपक शर्मा धर्मेंद्र दुबे, राधेश्याम शर्मा, रोहित दॉतरे, शेखर शुक्ला, संजय बुधोलिया, संजय उपाध्याय दीपक बिरथरे, संजीव वशिष्ठ, केदार जारोलिया, सोनू दॉतरे, सचिन पाठक, कमल शर्मा, परशराम दीक्षित, आशीष बिरथरे,, श्री लेखराज शर्मा आदि ने किया. विद्वान वक्त की अगवानी कृष्णा मुदगल, जितेंद्र पचौरी, संजय बिरथरे, दीपक बिरथरे,, किशोर शुक्ला, मनोज स्थापक, राधेश्याम बादल, गगन दुबोलिया, उमेश तिवारी, , बंटी पाराशर, लीलाधर तिवारी, हरीश दुबे, प्रबोध उपमन्यु, केदार, प्रभाशंकर शर्मा, शेखर शुक्ला, देवेन्द्र शर्मा ग्रेटर वैशाली, ओम प्रकाश श्रोत्रिय, केदार जारोलिया, परशराम दीक्षित,, महेश शर्मा, आशीष बिरथरे, सचिन पाठक, सजीव वशिष्ठ, सत्य प्रकाश पाठक ने की. सभा के अध्यक्ष पंडित देवेंद शर्मा एवं महासचिव पं. संजय जारोलिया सहित सैकड़ों भक्तों ने यज्ञ हवन में शामिल हो कर समाज में सुख शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की.

नवरात्रि महोत्सव में होगी 10 लाख हवन आहुतियां, 1 करोड़ मंत्र जाप

- प्रथम निमंत्रण श्री खजराना गणेश को अर्पित

इंदौर. नवरात्रि के पावन अवसर पर एक भव्य धार्मिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है. 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक लता मंगेशकर ऑडिटोरियम के पास, माणिकचंद वाजपेयी मार्ग, वीआईपी परस्पर नगर, इंदौर में अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा.

आयोजन को लेकर शनिवार को आयोजन स्थल पर कृष्णगिरी पीठाधीश्वर आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने चर्चा की और इस पवन कार्य में शहर के गणमान्य नागरिकों और भक्तों से उपस्थित रहने का आग्रह किया. इस 11 दिवसीय दिव्य आयोजन का मार्गदर्शन कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज द्वारा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि यहां आने वाले हर भक्त के लिए 11 दिन भोजन प्रसाद रहेगी. यज्ञ में शामिल होने वाले पुरुष को सफेद कुर्ता पजामा और महिला को लाल वस्त्र में आना होगा, तभी उन्हें यज्ञ में बैठने की अनुमति दी जाएगी. आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था में भी कोई समझौता नहीं किया जाएगा. बच्चों के लिए खेलकूद और संस्कार केन्द्र, विशेष संत दर्शन एवं सेवा मंच और आयोजन में हज़ारों स्वयंसेवकों की भागीदारी रहेगी. शुक्रवार को ही पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने श्री खजराना गणेश मंदिर पहुँचकर सर्वप्रथम श्री गणेश भगवान को विशाल नवरात्रि महामहोत्सव का निमंत्रण भी अर्पित किया.

11 हजार कलशों को सिद्ध किया जाएगा

आयोजन में देवी भागवत कथा का भावपूर्ण पाठ एवं व्याख्यान होगा. 1 करोड़ कुमकुम अर्चन, 1 करोड़ मंत्र जाप, 10 लाख हवन आहुतियाँ होंगी. प्रत्येक दिन विशेष पूजन, साधना, भजन संध्या एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी. 23 रूपों में मां दुर्गा और 12 ज्योतिर्लिंगों की भव्य झांकी सजाई जाएगी. 11,000 स्वर्ण-लेपित अष्टलक्ष्मी कलशों को 1 करोड़ मंत्र जाप, 1 करोड़ कुमकुम अर्चन एवं 10 लाख आहुतियों से सिद्ध किया जाएगा.